प्रेपक.

अतर सिंह. उप राधिव, उत्तरांचल शासनः

रोवा में.

गुख्य चिकित्साधिकारी चम्पावत ।

चिकित्सा अनुधाग-5

पर पूर्व में नाम हिंद मार्च, 2006 विषय:-वित्तीय वर्ष 2005-06 प्राथमिक स्वास्थ्य अन्त्र मध्, जनपद चम्पावत के भवन के निर्माण

कार्य की स्वीकृति।

महोदय.

जपर्युक्त विषय आपके पत्र स0-547/28-4-2005-62/2005 दिनांक 26-10-2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि औ राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2005-06 में प्राथमिक स्वारथ्य केन्द्र मंच, जनपद चम्प्रेंड्ड ड. २-२, विनीम इंतु रू० 58,00,000.00 (रूपये अठावन 25,72,000.00 (रूपये पच्चीस हाट क्रिक्ट के क्रिक्ट के सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है।

एकमुश्त प्राविधानों को कार्य करने रू गर्न निरतृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से 2-रवीकृति प्राप्त कर लें।

कार्य कराते रागय लो० नि० किएए ने रहीकृत विशिष्टयों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल विद्या शाव, कहार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेन्सी का होगा।

धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा।

स्वीकृत धनशशि के आहरण से संबंधत याजचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलबंध कराई जायेंगी तथा धनराशि का व्यस वित्तीय हस्तपुरितका में उल्लिखित प्राविधानों में बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा समय-समय पर विकार अवेशी के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा ।

आगणन में उल्लिखिंह यह अस्तिहण विनाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा रवीकृत/अनुमोदित दरों में जो वहें हिन्ह हैं हैं व्यक्त नहीं है अथवा बाजार भाव से भी ली गयी हो, की रवीकृति नियमानुस्तुर अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।

कार्य कराने से पूर्व टिस्तृत आन्यान/गानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राविधकारी से प्राविधिक रवीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक होगा।

कार्य पर उतना ही व्यय किया लागमा जितना कि स्वीकृत मानक है। स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

एक मुश्त प्राविधन को इस पर हुए अस्तून आगणन गठित कर नियमानुसार राक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवरणक रागा

कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दशें / विकित्यों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

कार्य करने से पूर्व स्थल का गर्ली भाति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के साथ आवश्य करा लें। विरीक्षण के पश्चात आवरणातानज्ञ निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणीं के अनुरूप कार्य किया जाये।

12- आगणन को जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में का किया किया किया किया पूर्व किसी प्रयोगशाला के पराद्वाल कर का किया जाए। लाया जाए।

13— रतीकृत धनारारे । जिल्ला का कि उन्हें कराइ जायंगी। यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर शासन का उपलब्ध कराइ जायंगी। यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि इस धनराशि रो निर्माण का कौन सा अंश पूर्ण्यांतवा निर्मत किया गया है।

निर्माण कार्य से पूर्व नींत के भ-भाग की गणना आवश्यक आवश्यक है, नींव के

भू–भाग की गणना के आधार कर विकास किल्हा विवास आसा।

15— निर्माण के राजय याद किसी कारणवंश यदि परिकल्पनाओं / विशिष्टयों में बदलाव आता है तो इस दशा में शासन की पूर्व स्वीकाने आद्यान होती।

खबत भवनों के कार्वों को होड़ शहरिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि लागत

पुरीक्षित करने की आवश्यकता न पड़े।

14-

16-

1-

2-

3-1-

5— 5—

17— उक्त व्यय वर्ष 2005—08 के आय—व्ययक में अनुदान संख्या—12 के लेखाशीर्षक—4210—चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय—02 ग्रामीण स्वास्थ्य सेवायें आयोजनागत, 103—प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवनों का निर्माण (सामान्य) विद्यार, 24—व्यक्त के भवने का नामें डाला आयेगा।

18- यह आदेश वित्त विना ७ स्टाइ वित्त (व्यय नियत्रण)अनुभाग-3/2006

दिनांक 2/3/2006 में प्राप्त सहमति से जारे किय का रहे है।

भवदीय (अतर सिंह) उप सचिव

संख्या-547(1)/XXVIII-5-2006-62/20

प्रतिलिपि गिम्नलिखित को सूझनाई एवं अस्तानक आर्यवाही हेतु प्रेषित:-

महालेखाकार उत्तरांचल, नाजर दहरदूर।

निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल देहरादून।

कोषाधिकारी, चम्पावत ।

जिलाधिकारी, चम्पावत।

महानिदेशक, चिकित्सा रवानका, वात्रका, वात्रका, उत्तरांचल वेहरादून।

परियोजना प्रवन्धक, उत्तराचल पेटाः । । । एवं निर्माण निगम, देहरादून।

7— बजट राजकोपीय, नियोजन च संसाधन प्रत्यातात्र संचिवालय, दे**हरादून।**

3- निजी सिचव, मा० मुख्यनक्री

वित्त (व्यय नियत्रण) अनुभाग-3 / नियोजन विभाग / एन०अरई०सी०।

10- आयुक्त, कुगाऊ/गढ़वाल मण्डल।

११– गार्ड फाईल ।

(अतर सिंह) उप सचिव